13वां दीक्षांत आजः डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज के को-चेयरमैन और एमडी जीवी प्रसाद होंगे चीफ गेस्ट

रिहर्सल में खामियां देख IIM के डायरेक्टर ने स्टूडेंट बन सिखाया मेडल लेने का तरीका

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

आईआईएम का 13वां दीक्षांत समारोह आज बुधवार दोपहर 3 बजे नवा रायपुर स्थित मेन कैंपस में संपन्न होगा। समारोह के चीफ गेस्ट डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज के को-चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर जीवी प्रसाद होंगे। समारोह की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन पुनीत डालमिया करेंगे। कन्वोकेशन से पहले मंगलवार को यहां दीक्षांत का रिहर्सल हुआ। इस दौरान स्टूडेंट्स को डिग्री-मेडल लेने की प्रैक्टिस कराई गई।

प्रैक्टिस में मजेदार पल तब आया जब आईआईएम के डायरेक्टर डॉ. राम कुमार काकानी खुद मेडलिस्ट की तरह स्टेज पर आए और मेडल लिया। उनके साथ प्रोफेसर जागरूक दावड़ा और प्रोफेसर रश्मि शुक्ला भी थे। ये केवल स्टूडेंट्स को सिखाने के लिए था, लेकिन डायरेक्टर का ऐसा अवतार देख डिग्री लेने आए स्टूडेंट्स के साथ सभी फैकल्टी अपनी हंसी रोक नहीं पाए। इस दौरान स्टेज पर चीफ गेस्ट के रूप में प्रो. कमल जैन, बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के चेयरमेन के तौर पर प्रो. योगेश चौहान और डायरेक्टर के रोल में प्रो. सूर्य नारायण नजर आए। जिनके चेस्ट में नाम का स्टीकर खुद डायरेक्टर ने चिपकाया। इसके पहले स्टूडेंट्स की रिहर्सल कराई गई, लेकिन कुछ खामियों के कारण डायरेक्टर सहित आईआईएम प्रबंधन स्टेज पर पहुंचे

और स्टूडेंट्स को कन्वोकेशन के दौरान मेडल और डिग्री लेने के बारे में जानकारी दी। इस दौरान चार बार स्टूडेंट्स को डेमो दिखाया गया। समारोह में बॉयज को फॉर्मल शर्ट पेंट और गर्ल्स को गोल्डन बार्डर वाली व्हाइट या क्रीम कलर की साड़ी कैरी करनी होगी।

643 को मिलेगी डिग्री

बैच -	स्टूडेंट
पीजीपी 2022-24	298
ईपीजीपी	184
एफपीएम	6
ईएफपीएम	5
पीजीपी 2021-23	26
2018-20 व 2019-21	124

टॉप-10 में शुभम, हॉस्पिटल से पढ़ाई की, कांपते हाथों से दिया एग्जाम

बनारस निवासी शुभम त्रिपाठी 2022-24 बैच में टॉप-10 में शामिल हैं। पढ़ाई के दौरान ही उन्हें ब्लड कैंसर के बारे में जानकारी मिली। ऐसे में शुभम ने न केवल हॉस्पिटल से पढ़ाई की बल्कि कई एग्जाम भी हॉस्पिटल से दिया। शुभम ने बताया कि एनआईटी हमीरपुर से बीटेक करने के बाद मैंने दो साल जॉब किया। उसके बाद आईआईएम में पढ़ाई के लिए चला आया। शुरू से एकेडमिक में अच्छा था। इंस्टीट्यूट में स्पोर्ट्स एक्टिविटी हो रही थी मैंने भी हिस्सा लिया, लेकिन मेरी तबीयत खराब होने लगी। डॉक्टर ने चेकअप किया तो पता चला मुझे ब्लड कैंसर है। उसके बाद मेरी लाइफ ही बदल गई। फाइनल सेमेस्टर की पढ़ाई मैंने हॉस्पिटल से ही की। रोज कीमो होता था, इसके कारण मैं लिख भी नहीं पाता था। नार्मल रहता हूं तो भी मेरे हाथ में

कैंपस में दोस्तों के साथ हंसी ठिठोली करते शुभम (बीच में)।

कंपकंपी रहती है। प्रोजेक्ट भी मैंने हॉस्पिटल में ही पूरे किए। लिखते नहीं बनता था तो मैं धीरे-धीरे टाइप करता था। इंस्टीट्यूट ने पूरी मदद की। मेरे दोस्त हमेशा कॉल पर मेरे सहयोग के लिए खड़े रहते थे। एग्जाम के समय ऐसा हो गया था कि क्या होगा। क्योंकि सुबह 7 से 8.30 बजे तक कीमो होता था और 9 बजे से एग्जाम शुरू हो जाते। कीमो से आने के बाद तुरंत एग्जाम में बैठता था। इसका असर 1 घंटे बाद दिखता है ज्यादा समय तक मैं बैठ नहीं पाता था। मेरी एग्जाम देने की स्थिति नहीं होती थी, फिर खुद को रिलैक्स करता और एग्जाम लिखता। इस दौरान पापा और मां ने पूरा सपोर्ट किया। इनसे मुझे काफी हौसला मिला और मैं पढ़ाई पूरी कर सका। मेरा प्लेसमेंट भी हो गया है, जून में ज्वाइनिंग है।

Dainik Bhaskar, 10th April 2024, P.04 (City Bhaskar)